

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, रहस्योद्घाटन और शास्त्र, सत्र 8, आंतरिक सामान्य रहस्योद्घाटन, रोमियों 2:12-16 और सभोपदेशक 3:11. प्रोविडेंस में सामान्य रहस्योद्घाटन, प्रेरितों के काम 14:14-18, और 17:22-29

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा प्रकाशितवाक्य और पवित्र शास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 8 है, आंतरिक सामान्य प्रकाशितवाक्य, रोमियों 2.12-16 और सभोपदेशक 3.11। प्रोविडेंस में सामान्य प्रकाशितवाक्य, प्रेरितों के काम 14:14-18 और 17:22-29।

हमारे पिता, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आप बोलने वाले ईश्वर हैं, जिन्होंने इब्रानियों 1:1 और 2 के अनुसार, अपने वचन में पुराने नियम और नए नियम दोनों में बात की। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपका प्रकाशन उससे भी बड़ा है, कि आपने अपनी रचना में खुद को प्रकट किया और अपने नियम को मानव हृदयों पर लिखा।

इन बातों के बारे में सोचते समय हमें आशीर्वाद दें। हमें अपने मार्ग पर ले चलें, और हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा प्रार्थना करते हैं। आमीन।

हमने अभी रोमियों 2.12-16 को देखा, जिसमें बताया गया है कि परमेश्वर ने अपने नियम को मानव हृदय पर लिखा है और यहाँ तक कि जो लोग मूसा के नियम के बिना, बाइबल के बिना हैं, वे भी उस नियम के प्रभावों को कभी-कभी सही और कभी-कभी गलत काम करके दिखाते हैं और उनके विवेक की इसमें भूमिका होती है। इन प्रमुख अंशों की अन्य व्याख्याओं की तरह, अब मैं नोट्स पर जाता हूँ और सारांश देता हूँ। परमेश्वर स्वयं को मानवता में प्रकट करता है।

ईश्वर अपनी सृष्टि में खुद को प्रकट करता है, दुनिया में हमसे बाहर बाहरी सामान्य प्रकाशन में, ईश्वर खुद को प्रकट करता है। वह खुद को आंतरिक सामान्य प्रकाशन में भी प्रकट करता है जो हमारे अंदर है, हमारी प्रकृति में। इस प्रकार मानव प्रकृति रहस्योद्घाटन करने वाली है।

मनुष्य न केवल ईश्वर के प्राणी हैं, बल्कि ईश्वर के रहस्योद्घाटन भी हैं, वास्तव में, दोनों अर्थों में। क्योंकि फिर से, गुफा में रहने वाला व्यक्ति बाहरी सामान्य रहस्योद्घाटन से दूर जाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि उसकी सांस और दिल की धड़कन वगैरह चल रही है; भले ही वह अपने शरीर को महसूस करे, वह ईश्वर की ओर से एक बाहरी सामान्य रहस्योद्घाटन है। इसी तरह, रोमियों 1:32, जिसे हमने देखा, ने कहा कि यद्यपि वे ईश्वर की धार्मिक आज्ञा को जानते हैं कि जो लोग ऐसे काम करते हैं, पापों की एक पूरी सूची, मृत्यु के योग्य हैं, वे न केवल उन्हें करते हैं बल्कि उन्हें करने वालों को स्वीकृति भी देते हैं।

फिर अध्याय 2 में, पौलुस उन पाखंडियों की निंदा करता है जो दूसरों के जीवन में चीजों को स्वीकार नहीं करते हैं, बल्कि खुद वही करते हैं। रोमियों 1:32 और फिर 2:12-16 में, पौलुस सिखाता है कि सभी मनुष्यों, चाहे वे बचाए गए हों या नहीं, उनके दिलों पर व्यवस्था की माँगें लिखी हुई हैं। परमेश्वर हमारे भीतर अपनी नैतिक माँगों को प्रकट करता है।

यह आंतरिक सामान्य प्रकाशन है। रोमियों 2:14-15, क्योंकि जब अन्यजाति लोग जिनके पास व्यवस्था नहीं है, स्वभाव से ही व्यवस्था की माँग के अनुसार काम करते हैं, तो वे व्यवस्था न होने पर भी अपने लिए व्यवस्था हैं। वे दिखाते हैं कि व्यवस्था का काम उनके दिलों पर लिखा हुआ है, और उनका विवेक भी गवाही देता है, और उनके परस्पर विरोधी विचार उन्हें दोषी ठहराते हैं या उन्हें निर्दोष ठहराते हैं।

यह पॉल के सुसमाचार के अनुसार है, पॉल कहते हैं, परमेश्वर के न्याय के दिन, हमारे आंतरिक रहस्य पद 16 में प्रकट होंगे। मसीह या उसके वचन को जानने से पहले ही लोग स्वभाव से ही कभी-कभी व्यवस्था की बातें करते हैं। हालाँकि अन्यजातियों को आज्ञाएँ लेने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन उनके दिलों पर लिखी परमेश्वर की माँगें उन्हें खुद के लिए एक व्यवस्था बनाती हैं।

वे आंतरिक सामान्य रहस्योद्घाटन हैं। उनके पास यह है, और वे वही हैं। वे स्वयं ईश्वर के नैतिक रहस्योद्घाटन का एक प्रकार हैं।

ओह, यह अनैतिक है या अनैतिक। नहीं, यह अनैतिक नहीं है। यह नैतिक या अनैतिक है, बारी-बारी से।

ऐसा इसलिए है क्योंकि हम नैतिक प्राणी हैं। यह ईश्वर की छवि का हिस्सा है। कानून काम करता है।

यह हमारे कार्यों पर निर्णय पारित करके खुद को अभिव्यक्त करता है, आंतरिक मीटर का उपयोग करके जिसे हमने विवेक कहा है। हमारा विवेक कभी-कभी आरोप लगाने के लिए और कभी-कभी हमारे कार्यों का बचाव करने और बहाने बनाने के लिए काम करता है। संभवतः हमारा विवेक हमारे व्यवहार पर निर्णय पारित करने के लिए हमारे आंतरिक नैतिक सिद्धांतों के अनुसार काम करता है।

रोमियों 2.15. हम सभी परमेश्वर की नैतिक आवश्यकताओं को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। हम जानते हैं कि हमारे पापपूर्ण कार्य गलत हैं और परमेश्वर के न्याय के योग्य हैं। 1:32. आप देखिए, हालाँकि पौलुस रोमियों 2:14 और 15 तक हृदय पर परमेश्वर के नियम के बारे में बात नहीं करता है, लेकिन 1.32 में यह पहले से ही मान लिया गया है जब वह कहता है, हालाँकि वे परमेश्वर के धर्मी आदेश को जानते हैं कि जो लोग ऐसी चीजों का अभ्यास करते हैं वे मृत्यु के योग्य हैं।

यह हृदय पर लिखे गए कानून के प्रभावों के बारे में बताता है। वे परमेश्वर के धर्मी आदेश को कैसे जानते हैं कि अभी-अभी बहुत विस्तार से, एक बड़ी सूची में सूचीबद्ध किए गए पाप, मृत्यु के योग्य

हैं? हृदय पर लिखे परमेश्वर के कानून के कारण। इस प्रकार, रोमियों के 1:32 में 2:14 और 15 का अनुमान लगाया गया है।

इस तरह से, आंतरिक सामान्य प्रकाशन के इस माध्यम से परमेश्वर के कौन से गुण प्रकट होते हैं? यह एक बहुत अच्छा सवाल है। यह आंतरिक सामान्य प्रकाशन परमेश्वर की पवित्रता और न्याय के गुणों और उसके न्याय के कार्य को प्रकट करता है। श्लोक 32 का 1. यह आंतरिक सामान्य प्रकाशन सभी लोगों को ज्ञात है और इसका इस अंश पर प्रभाव पड़ता है।

इसे दबाया और विकृत किया जाता है ताकि लोगों में दूसरों के न्याय में नैतिक आवश्यकताओं को लागू करने की प्रवृत्ति हो जबकि वे खुद को उन्हीं पापों के लिए बहाना बनाते हैं, जैसा कि अध्याय 2, 1, से 3 के पाखंड में प्रमाणित है। इस प्रकार, आंतरिक और बाह्य सामान्य प्रकाशन के बीच समानताएं और अंतर हैं। सबसे बड़ी समानता यह है कि वे दोनों सामान्य प्रकाशन की प्रजातियाँ हैं। हर कोई सूर्य के नीचे है।

हर किसी के दिल पर परमेश्वर का नियम लिखा हुआ है। वे इस मामले में भी समान हैं कि ये दोनों प्रकाशन काम करते हैं। परमेश्वर का बाहरी सामान्य प्रकाशन लोगों तक पहुँचता है, और इसी तरह उसका आंतरिक सामान्य प्रकाशन भी लोगों तक पहुँचता है, जैसा कि मानवीय विवेक के काम से प्रमाणित होता है।

नहीं, ऐसा नहीं है! कोई कहता है कि उसे बुरा लगा कि किसी ने उसके साथ गलत किया। यह उसके दिल पर लिखे ईश्वर के कानून का नतीजा है। इस मामले में वे अलग-अलग हैं।

हमारे बाहर अपनी सृष्टि में परमेश्वर का रहस्योद्घाटन उसकी महिमा, सुंदरता, शक्ति और बुद्धि को दर्शाता है, लेकिन उसकी पवित्रता को नहीं। एमर्सन ने कहा कि प्रकृति के दांत और पंजे लाल हैं। जब शेर मृग को खाता है, तो क्या शेर पाप करता है? नहीं, यह लागू नहीं होता।

शेर और मृग परमेश्वर की छवि में नहीं बनाए गए हैं। उनके हृदय पर परमेश्वर का नियम नहीं लिखा है। इसलिए, बाहरी सामान्य प्रकाशन के विपरीत, आंतरिक सामान्य प्रकाशन परमेश्वर की पवित्रता को प्रकट करता है, जो पतन के बाद से अपूर्ण है, बेशक, उसका न्याय और न्याय का कार्य।

परमेश्वर के कार्य हैं सृजन, विधान, मुक्ति, और पूर्णता, जिसमें न्याय भी शामिल है। एक और मार्ग, जिसे अक्सर अनदेखा किया जाता है। सभोपदेशक, मानो या न मानो, 311.

परमेश्वर ने हर चीज़ को उसके समय के अनुसार बनाया है। उसने उनके दिलों में अनंत काल भी डाला है। लेकिन कोई भी परमेश्वर के काम को नहीं खोज सकता।

कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के आरंभ से अंत तक किए गए कार्य को नहीं जान सकता। हमारे अंदर कुछ ऐसा है जो अनंत चीज़ों की ओर बढ़ता है। सीएस लुईस ने बचपन में भी इसका वर्णन किया था।

उसे एक बड़ी वास्तविकता का अहसास था। यह उससे दूर था, लेकिन कई बार उसे लगता था कि वह इसके मुहाने पर है। लेकिन यह मायावी था, और फिर भी यह वहाँ था।

और इससे खुशी तो मिली, लेकिन फिर यह फीकी पड़ गई, और इस तरह, हमारे अंदर कुछ ऐसा है जो अनंत चीजों की ओर बढ़ता है। हालाँकि, जैसा कि पद के अंत में बताया गया है, मैं ESV करना चाहता हूँ। मजदूर को अपने परिश्रम से क्या लाभ होता है? मैंने देखा है कि परमेश्वर ने मनुष्य के बच्चों को खुश और व्यस्त रहने के लिए जो काम दिया है।

उसने हर चीज़ को उसके समय पर सुंदर बनाया है। साथ ही, उसने मनुष्य के हृदय में अनंत काल को भी डाल दिया है, फिर भी वह यह नहीं जान सकता कि परमेश्वर ने शुरू से लेकर अंत तक क्या किया है। मैं समझता हूँ कि उनके लिए इससे बेहतर कुछ नहीं है कि वे जब तक जीवित रहें, खुश रहें और अच्छा काम करते रहें।

इसके अलावा, हर किसी को खाना-पीना चाहिए और अपने सभी कामों में आनंद लेना चाहिए। यह मनुष्य को ईश्वर का उपहार है। इसलिए, हमारे दिलों में अनंत काल की भावना है।

भगवान ने खुद को इस तरह से हमारे सामने प्रकट किया है, और फिर भी यह मायावी है। जैसा कि श्लोक के अंत में बताया गया है, हम अनंत की अपनी इच्छा में निराश हैं क्योंकि हम भगवान की योजना को उसकी संपूर्णता में नहीं समझ सकते हैं। एनआईवी स्टडी बाइबल में एक नोट में यह उद्धरण है, भगवान की सुंदर लेकिन लुभावनी दुनिया हमारे लिए बहुत बड़ी है, फिर भी इसकी संतुष्टि बहुत छोटी है।

चूँकि हम अनंत काल के लिए बनाए गए थे, इसलिए समय की चीज़ें पूरी तरह और स्थायी रूप से संतुष्ट नहीं हो सकतीं। एक बार फिर, परमेश्वर की सुंदर लेकिन लुभावनी दुनिया हमारे लिए बहुत बड़ी है, फिर भी इसकी संतुष्टि बहुत छोटी है। चूँकि हम अनंत काल के लिए बनाए गए थे, इसलिए समय की चीज़ें पूरी तरह और स्थायी रूप से संतुष्ट नहीं हो सकतीं।

एनआईवी बाइबल का अध्ययन सभोपदेशक 3:11 पर करें। वास्तव में, इस व्याख्यान को करते समय और अभी इस पर विचार करते समय, यह आयत बाहरी सामान्य प्रकाशन से भी संबंधित हो सकती है। यह नैतिकता से संबंधित नहीं है, यह तो पक्का है। यह मानवीय जागरूकता से संबंधित है।

मुझे लगता है कि यह वहीं है जहाँ इसे होना चाहिए। पारलौकिकता की जागरूकता, अनंत काल की इच्छा, लेकिन उस चीज़ को समझने में असमर्थता जिसके बारे में हमें आंशिक जागरूकता है। भगवान खुद को प्रकट करते हैं, ओह, अपने बेटे में और अपने वचन में और चमत्कारों में, और हम बाद में, दर्शन और सभी प्रकार की अच्छी चीज़ों में, पुराने नियम में चिट्ठी डालने में देखेंगे।

यह विशेष प्रकाशन है जो कभी-कभी कुछ स्थानों पर केवल कुछ लोगों को दिया जाता है। लेकिन सामान्य प्रकाशन हमेशा सभी लोगों को सभी स्थानों पर दिया जाता है। और हमारे पास तीन उपश्रेणियाँ हैं।

वैसे, परंपरागत रूप से यही मामला है। ईश्वर की सृष्टि में रहस्योद्घाटन को तथाकथित बाह्य सामान्य रहस्योद्घाटन कहा जाता है। बड़ी श्रेणियाँ, सामान्य और विशेष रहस्योद्घाटन।

सामान्य रूप से, सृष्टि में, मानव हृदय में, विधान में। हमने पहले दो काम किए, सृष्टि में बाह्य सामान्य प्रकाशन, हृदय और विवेक पर लिखे गए कानून में आंतरिक सामान्य प्रकाशन, और फिर अब विधान या इतिहास में परमेश्वर का प्रकाशन। परमेश्वर का सामान्य प्रकाशन सृष्टि, विवेक और विधान में भी जाना जाता है।

परमेश्वर अपने अनेक गुणों को इतिहास में दैवी रूप से कार्य करके प्रकट करता है। प्रेरितों के काम 14. प्रेरितों के काम 14 और 17 ही इसके प्रमाण हैं।

प्रेरितों के काम 14, संदर्भ को समझने के लिए, हम आयत 8 पर वापस जाते हैं। अब लुस्ता में एक आदमी बैठा था जो अपने पैरों का इस्तेमाल नहीं कर सकता था। वह जन्म से ही अपाहिज था और कभी नहीं चला था। उसने पौलुस की बातें सुनीं, और पौलुस ने उस पर ध्यान से देखा और देखा कि उसे ठीक होने का विश्वास है, उसने ऊँची आवाज़ में कहा, अपने पैरों पर सीधा खड़ा हो।

और वह उछलकर खड़ा हो गया, मुझे आश्चर्य हुआ, कोई फिजियोथेरेपी नहीं, कोई ट्रेनर नहीं। और वह उछलकर खड़ा हो गया और चलने लगा। और जब भीड़ ने देखा कि पौलुस ने क्या किया है, तो उन्होंने अपनी आवाज़ ऊँची करके लुकोनी भाषा में कहा, देवता मनुष्यों के रूप में हमारे पास उतरे हैं।

मैंने कई सालों तक दो अलग-अलग इंजील सेमिनारियों में भी पढ़ाया। और कभी-कभी, जब हमारे पास प्रार्थना का दिन होता था, तो छात्र समूहों में इकट्ठा होते थे, और कई बार, कुछ जातीय समूहों के छात्र एक साथ इकट्ठा होते थे और अर्थपूर्ण बातें करते थे। और हालाँकि वे अंग्रेजी का उपयोग कर सकते थे, अगर उनकी पहली, अगर उनकी मातृभाषा कोई दूसरी भाषा थी, तो वे उसी भाषा में प्रार्थना करते थे।

और यहाँ भी ऐसा ही है। ये लोग पौलुस और बरनबास को इसलिए नहीं समझ पाए क्योंकि पौलुस और बरनबास लाइकोनी भाषा बोलते थे, बल्कि इसलिए क्योंकि वे लाइकोनी भाषा नहीं बोलते थे। वे सभी सामान्य, साधारण यूनानी भाषा बोलते थे।

कोइने ग्रीक। लेकिन जब ये लोग इस उपचार से उत्साहित हुए, तो उन्होंने उस भाषा में नहीं, बल्कि अपनी मातृभाषा में अपनी खुशी जाहिर की।

मैं यूक्रेन में एक मंत्रालय का हिस्सा हूँ। हमारे पास दो बेहतरीन अनुवादक हैं, याना और नताशा, और उनकी अंग्रेजी अच्छी है। कई बार नताशा ने मेरी अंग्रेजी सुधारी है।

मैंने कई किताबें वगैरह लिखी हैं। हे भगवान। यह ऐसा है जैसे मैं किसी शब्द को पढ़ने के लिए हाथ बढ़ा रहा हूँ और वह मुझे वह दे देती है।

वह इसे उपलब्ध कराती है। ओह बॉय। लेकिन मैंने याना से पूछा, जिसने हाल ही में मेरे लिए एक कोर्स का अनुवाद किया था।

जब आप प्रार्थना करते हैं, तो आप किस भाषा में प्रार्थना कर सकते हैं? वह कहती है, ठीक है, मैं अंग्रेजी में प्रार्थना कर सकती हूँ। आप किस भाषा में प्रार्थना करते हैं? वह कहती है यूक्रेनी। यह समझ में आता है।

यह आपकी मातृभाषा है। यह वह भाषा है जिसे आप बचपन में सबसे पहले सीखते हैं। देवता मनुष्य के रूप में हमारे पास आए हैं।

बरनबास को वे ज़ीउस कहते थे। क्यों? वह बूढ़ा था। मैं उसे बड़ी मर्दाना दाढ़ी के साथ, एक बूढ़ा आदमी के रूप में कल्पना करता हूँ।

वह देवताओं का राजा है। वह ज़ीउस है। पॉल वक्ता है, यार।

वह बड़ा उपदेशक है, है न? और पॉल, वे उसे हमीस कहते थे। यदि आप अपने देवताओं की सूची बदलते, तो वह मर्करी होता क्योंकि वह मुख्य वक्ता था। और ज़ीउस के पुजारी, आप देखिए, पॉल और बरनबास इकोनियम को नहीं समझते थे, लेकिन वे शरीर की भाषा को समझते थे।

जब ज़ीउस के पुजारी ने उनके लिए बलिदान चढ़ाना शुरू किया, तो उन्हें संदेश बहुत जल्दी मिल गया। ज़ीउस के पुजारी, जिसका मंदिर शहर के प्रवेश द्वार पर था, बैलों और मालाओं को गेट पर लाया और भीड़ को बलिदान चढ़ाना चाहता था। लेकिन जब प्रेरित बरनबास और पौलुस ने इसके बारे में सुना और इसे देखा, तो निस्संदेह, उन्होंने अपने कपड़े फाड़ दिए और भीड़ में चिल्लाते हुए बाहर निकल आए, हे लोगों, तुम ये काम क्यों कर रहे हो? आप देखिए, जब पौलुस तरसुस डिविनिटी स्कूल में सेमिनरी में गया, तो उसके पास निश्चित रूप से मिशन पर पाठ्यक्रम थे।

हाँ, मैं हास्यास्पद हो रहा हूँ, लेकिन जब आपको पूजा सेवा में आमंत्रित किया जाता है और आप देवता हैं, तो आपको क्या करना चाहिए, इस बारे में उनके पास कभी कोई पाठ्यक्रम नहीं था। अच्छे यहूदियों के रूप में घृणा में, मुझे आशा है कि उनके पास अतिरिक्त कपड़े होंगे; उन्होंने अपने वस्त्र फाड़ दिए। पुरुष, तुम ये सब क्यों कर रहे हो? हम भी पुरुष हैं।

हम भी तुम्हारे जैसे ही स्वभाव के मनुष्य हैं। और हम तुम्हें खुशखबरी देते हैं कि तुम इन व्यर्थ चीजों से दूर होकर जीवित परमेश्वर की ओर मुड़ो जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और उनमें जो कुछ है, सब बनाया है। वे परमेश्वर के सृष्टिकर्ता होने की पुष्टि करते हैं।

आप कहते हैं कि यह बाह्य सामान्य प्रकाशन है, है न? हाँ, लेकिन यह इससे भी अधिक है। पिछली पीढ़ियों में, उसने सभी राष्ट्रों को अपने-अपने मार्ग पर चलने की अनुमति दी, फिर भी उसने खुद को बिना गवाही के नहीं छोड़ा। उसने राष्ट्रों को अपने-अपने मार्ग पर चलने की

अनुमति दी, यानी, उन्हें बिना मारा-पीटा, बिना उन्हें उस निंदा से दोषी ठहराए जिसके वे हकदार थे।

उसने मसीह के आने, सुसमाचार के प्रसार, इत्यादि के लिए अधिक समय देने के लिए उनके साथ सहन किया। फिर भी परमेश्वर ने स्वयं को बिना गवाह के नहीं छोड़ा। यह फिर से, लिटोटेस है, सकारात्मक की पुष्टि करने के लिए नकारात्मक को नकारना।

परमेश्वर ने खुद अपनी गवाही दी, क्योंकि उसने तुम्हारे लिए स्वर्ग से वर्षा और फलवन्त ऋतु देकर अच्छा किया, और तुम्हारे हृदय को भोजन और आनन्द से तृप्त किया। क्या परमेश्वर भला नहीं है? हम सभी भोजन-साथी का आनन्द लेते हैं। इन शब्दों के बावजूद भी, वे लोगों को उनके लिए बलिदान चढ़ाने से नहीं रोकते।

यह बहुत अजीब होगा। लिखित सारांश, प्रेरितों के काम 14:14 से 18। प्रेरितों के काम 14 में, पौलुस और बरनबास पहली मिशनरी यात्रा पर लुस्त्रा जाते हैं।

पॉल के शब्दों में, जन्म से लंगड़ा एक व्यक्ति उछलकर चलने लगता है, श्लोक 8 से 10। लोग पॉल और बरनबास को क्रमशः हेमीज़ और ज़ीउस देवता घोषित करते हैं। प्रेरितों को लाइकानियन भाषा समझ में नहीं आती है जो लोग बोल रहे हैं, लेकिन ज़ीउस के पुजारी की शारीरिक भाषा स्पष्ट है जब वह बैलों की बलि देने के लिए उनके पास आता है।

जवाब में, पौलुस और बरनबास ने घृणा में अपने वस्त्र फाड़ डाले और इस बार क्रिश्चियन स्टैंडर्ड बाइबल से चिल्लाए, लोगों, तुम ये काम क्यों कर रहे हो? हम भी तुम्हारे जैसे ही लोग हैं। और हम तुम्हें खुशखबरी सुना रहे हैं कि तुम इन बेकार की चीज़ों से दूर होकर उस जीवित परमेश्वर की ओर मुड़ो जिसने स्वर्ग, पृथ्वी, समुद्र और उनमें जो कुछ भी है, सब बनाया है। पिछली पीढ़ियों में, उसने सभी राष्ट्रों को अपने-अपने रास्ते पर चलने की अनुमति दी थी।

यद्यपि उसने अपने आप को बिना किसी गवाह के नहीं छोड़ा, फिर भी उसने अच्छा किया कि तुम्हें आकाश से वर्षा और फलवन्त ऋतु देकर और तुम्हें भोजन से भरकर और तुम्हारे हृदयों को आनन्द से भरकर। फिर से, रोमियों 14:15 से 17। परमेश्वर, सृष्टिकर्ता, न केवल सृष्टि में, न केवल व्यवस्था और हृदय में बल्कि विधान में भी अपने आप की गवाही देता है।

जीवन और इतिहास के क्रम में परमेश्वर की ओर से एक सामान्य प्रकाशन है, पद 17। विशेष रूप से, वह हमारी शारीरिक और भावनात्मक आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए फसल और फल उगाने के लिए वर्षा देने के अपने दैवी कार्यों में स्वयं की गवाही देता है, पद 17। यह परमेश्वर के अस्तित्व, सृष्टिकर्ता के रूप में उसकी भूमिका, जो पद 15 में स्पष्ट है, और उसकी उदारता को प्रकट करता है।

धार्मिक शब्द के रूप में अच्छाई से हमारा यही मतलब है। ईश्वर की अच्छाई का गुण उसकी उदारता का अर्थ है। ऐसा नहीं है। अच्छाई का मतलब पवित्रता नहीं है, इसका मतलब बुराई के विपरीत अच्छाई नहीं है।

मुझे उदारता शब्द बहुत पसंद है। परोपकार भी एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल आम तौर पर किया जाता है। और सभी लोगों के प्रति उनकी उदारता, अच्छाई और परोपकार।

ध्यान दें कि यह एक सामान्य रहस्योद्घाटन है। जैसा कि यीशु ने कहा, अच्छे प्रभु के पिता ने बचाए गए और बचाए नहीं गए किसान को बारिश देकर अपनी भलाई दिखाई। इस रहस्योद्घाटन का समय निरंतर है, मौसम दर मौसम निहित है।

और इस रहस्योद्घाटन की सीमा विश्वव्यापी है। जहाँ कहीं भी बारिश, भोजन और खुशी निहित है, वहाँ उनके भगवान ने अपनी उदारता, अपनी दयालुता प्रकट की है, बस दयालुता को बचाने के बारे में मत सोचो, बल्कि अपनी अच्छाई, अपनी परोपकारिता के बारे में सोचो। वह एक अच्छा भगवान है, और वह सभी लोगों को अच्छे उपहार देता है।

न केवल आकाश और मानव हृदय इसके नैतिक संकेतों के साथ बल्कि सब्जियाँ, फल, भोजन, संगति और आनंद। इसी तरह, अधिनियम 17, ईश्वर के रहस्योद्घाटन, इतिहास या प्रोविडेंस में ईश्वर के सामान्य रहस्योद्घाटन के लिए अन्य प्रसिद्ध प्रमाण पाठ है। संदर्भ, एथेंस में पॉल, 17:16।

अब, जब पौलुस एथेंस में सीलास और तीमुथियुस के लिए इंतज़ार कर रहा था, तो उसका मन उसके भीतर भड़क उठा क्योंकि उसने देखा कि शहर मूर्तियों से भरा हुआ था। इसलिए, वह आराधनालय में यहूदियों और भक्तों के साथ और हर दिन बाज़ार में उन लोगों के साथ तर्क-वितर्क करता था जो वहाँ मिलते थे। कुछ एपिकुरियन और स्टोइक दार्शनिकों ने भी उससे बातचीत की, और कुछ ने कहा, यह बकवादी क्या कहना चाहता है? दूसरों ने कहा, वह विदेशी देवताओं का प्रचारक लग रहा था क्योंकि वह यीशु और पुनरुत्थान का प्रचार कर रहा था।

प्रेरितों के काम में, 1 कुरिन्थियों 15 में, कुरिन्थियों ने यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान को ईसाई होने के रूप में स्वीकार किया, लेकिन उन्हें मृतकों के पुनरुत्थान से समस्या थी। इसका कारण यह है कि उन्होंने लाशें देखी थीं, और उन्होंने गलत अनुमान लगाया था; यह कुरिन्थियन पत्राचार के विद्वानों की आम सहमति है; उन्होंने गलत अनुमान लगाया था कि पुनरुत्थान में लाशों को उठाना शामिल होगा, कुछ ऐसा जो ज़ॉम्बी की तरह है, और वे इसे संभाल नहीं सकते थे। नहीं, पॉल कहते हैं, पुनरुत्थान में मुख्य अवधारणा परिवर्तन है।

इसलिए, जब पॉल ने पुनरुत्थान का उल्लेख किया, तो प्लेटो और अरस्तू ने आत्मा की अमरता पर विश्वास किया, लेकिन पुनरुत्थान में नहीं, यह सिर्फ एक, ओह, जीर्ण शरीर का पुनरुत्थान था, ओह, यह भयानक है। और वे उसे ले गए और उसे अरियुपगुस में ले गए और कहा, क्या हम जान सकते हैं कि यह नई शिक्षा क्या है जो आप प्रस्तुत कर रहे हैं? क्योंकि आप हमारे कानों में कुछ अजीब बातें लाते हैं। इसलिए, हम जानना चाहते हैं कि इन बातों का क्या मतलब है।

अब, वहाँ रहने वाले सभी एथेनियन और विदेशी लोग अपना समय किसी नई बात को कहने या सुनने के अलावा किसी और काम में नहीं बिताते थे। अब हम अपने पाठ के बिल्कुल करीब आ गए हैं। पौलुस अरियुपगुस को संबोधित करता है।

इसलिए पौलुस ने अरियुपगुस के बीच में खड़े होकर कहा, हे एथेंस के लोगों, मैं देखता हूँ कि तुम हर तरह से बहुत धार्मिक हो, क्योंकि जब मैं वहाँ से गुज़रा और तुम्हारी पूजा की वस्तुओं को देखा, तो मुझे एक वेदी भी मिली जिस पर यह लिखा था, अज्ञात ईश्वर के लिए। इसलिए जिसे तुम अज्ञात मानकर पूजते हो, मैं तुम्हें उसका संदेश देता हूँ। जिस ईश्वर ने दुनिया और उसमें मौजूद हर चीज़ को बनाया, वह स्वर्ग और पृथ्वी का स्वामी है, वह मनुष्य के बनाए मंदिरों में नहीं रहता, न ही वह मनुष्य के हाथों से सेवा करता है, मानो उसे किसी चीज़ की ज़रूरत है क्योंकि वह खुद ही सारी मानवजाति को जीवन और साँस और सब कुछ देता है।

और उसने एक ही मनुष्य से सारी मानवजाति को धरती के हर कोने में रहने के लिए बनाया, और उनके रहने के लिए नियत समय और सीमाएँ निर्धारित कीं, ताकि वे ईश्वर की तलाश करें और शायद उसकी ओर अपना रास्ता महसूस करें और उसे पाएँ। फिर भी वह वास्तव में हम में से हर एक से दूर नहीं है, क्योंकि वह उनके बुतपरस्त कवियों में से एक, उनके बुतपरस्त कवियों में से एक को उद्धृत करता है; हम उसमें जीते हैं, चलते हैं और अपना अस्तित्व रखते हैं, जैसा कि आपके अपने कुछ कवियों ने भी कहा है, क्योंकि हम वास्तव में उसकी संतान हैं। माना जाता है कि ये उद्धरण एपिमेनिड्स से हैं।

पहला वाला अनिश्चित है, लेकिन हमें लगता है कि दूसरा एराटस से है। वह ज़्यादा निश्चित है। तो फिर ईश्वर की संतान होने के नाते, हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि ईश्वरीय सत्ता सोने या चांदी या पत्थर की तरह है, जो मनुष्य की कला और कल्पना द्वारा बनाई गई एक छवि है।

अज्ञानता के समय में परमेश्वर ने अनदेखी की, लेकिन अब वह हर जगह सभी लोगों को पश्चाताप करने की आज्ञा देता है क्योंकि उसने एक दिन तय किया है जिसमें वह उस मनुष्य के द्वारा धर्म से जगत का न्याय करेगा जिसे उसने नियुक्त किया है। और उसने उसे मरे हुएों में से जिलाकर हम सबको इसकी गारंटी दी है। अब जब उन्होंने मरे हुएों के जी उठने की बात सुनी, तो कुछ ने ठठ्ठा किया, लेकिन दूसरों ने कहा, हम इस बारे में तुमसे फिर सुनेंगे।

इसलिए, पौलुस उनके बीच से चला गया, लेकिन कुछ लोग उसके साथ जुड़ गए और विश्वास करने लगे, जिनमें डायोनिसियस एरियोपैगाइट, दमरिस नाम की एक महिला और उनके साथ अन्य लोग भी थे। इसलिए, पौलुस ने एथेंस के आराधनालय में बात की थी, लेकिन उसने बाज़ार में एथेंस के लोगों से भी बात की, एक ऐसी जगह जहाँ दार्शनिक दर्शन करने के लिए जाते थे, और जैसा कि ल्यूक ने हमें प्रेरितों के काम में बताया है, कुछ नया सुनने के लिए। पौलुस ने पुष्टि की कि परमेश्वर सभी मानवजाति को जीवन, साँस और बाकी सब कुछ देता है।

एक बार फिर, ईश्वर का सृष्टिकर्ता होना, सृष्टि, विवेक और विधान में उनके प्रकटीकरण का आधार है। उसने इसे एक मनुष्य से बनाया, और यह आदम, पृथ्वी पर रहने के लिए मानव जाति के प्रत्येक राष्ट्र का संदर्भ है, पृथ्वी के चेहरे पर, निर्धारित अवधि और उनके निवास स्थान की सीमाएँ निर्धारित की हैं। प्रभु ने, अपने विधान में, जातियों, लोगों के आंदोलनों, राष्ट्रों और राज्यों की स्थापना, इत्यादि को निर्देशित किया, और यहाँ उद्देश्य यह है कि उन्हें ईश्वर की तलाश करनी चाहिए, और शायद उसके प्रति अपना रास्ता महसूस करना चाहिए, और उसे पाना चाहिए।

और फिर वह अपने लेखकों को उद्धृत करते हुए कहता है कि वह आसन्न है, और हम उसके प्राणी हैं। और फिर बेशक, वह फिर से, वह मूर्तिपूजा की निंदा के साथ शुरू और समाप्त होता है, और फिर वह मसीह और पुनरुत्थान का प्रचार करता है, और यह उन्हें उत्तेजित करता है।

एक बार फिर, मैं अब कुछ नोट्स पढ़ने के पैटर्न का पालन करता हूँ। उसी मार्ग पर। प्रेरितों के काम 17 में, पॉल एथेंस के लोगों को संबोधित करता है और ध्यान देता है कि उनकी अनगिनत मूर्तियों के बीच, मैंने सड़क पर चलते समय हजारों मूर्तियों की रिपोर्ट देखी है, एक अज्ञात भगवान की वेदी है।

न्यू टेस्टामेंट के विद्वान एकहार्ट श्राबेल के पास पॉल की मिशनरी यात्राओं पर दो बड़े खंड हैं, और उन्होंने हर शहर में हर मूर्ति की सूची बनाई है। यह विद्वत्ता का एक अद्भुत काम है। ओह, यह वाकई अद्भुत है।

उनमें से कुछ की संख्या अश्लील थी। ओह, बस जीवन के ताने-बाने में बुनी हुई थी।

तो, मूल रूप से, रोमन साम्राज्य में हर व्यक्ति मूर्तिपूजक था। या फिर आपको एक अच्छा नागरिक नहीं माना जाएगा। ओह, इसलिए थिस्सलुनीकियों ने मूर्तियों से ईश्वर की ओर रुख किया और एक जीवित और सच्चे ईश्वर की सेवा की।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्हें सताया गया। वैसे भी, उनकी अनगिनत मूर्तियों के बीच एक अज्ञात ईश्वर की वेदी है। पौलुस उन्हें एक जीवित और सच्चे ईश्वर के बारे में बताता है, जिसके बारे में वे अनभिज्ञ हैं।

श्लोक 23, प्रेरितों के काम 17. परमेश्वर जिसने संसार और उसमें की हर चीज़ को बनाया। वह स्वर्ग और पृथ्वी का प्रभु है और इसलिए उसे मंदिर तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

उसके बनाए हुए प्राणी उसे नियंत्रित या नियंत्रित नहीं कर सकते, क्योंकि वह स्वयं ही सभी को जीवन और सांस और सभी चीज़ें देता है। प्रेरितों के काम 17:24, 25. परमेश्वर न केवल सबका सृष्टिकर्ता है; वह अपनी सृष्टि को भी बनाए रखता है, जिसमें मानवता भी शामिल है।

उनका सामान्य अनुग्रह, उनका परोपकार और दया बचाए गए और बचाए नहीं गए दोनों के लिए समान रूप से, हमें जीवन, सांस और सभी अच्छे उपहारों से आशीर्वादित करता है। जेम्स 1, हर अच्छा और उत्तम उपहार ज्योतियों के निर्माता से आता है। ज्योतियों का पिता।

जो ईश्वर को स्वर्गीय मंडलियों का निर्माता बताता है। उत्पत्ति 1 की शक्ति का अनुसरण करते हुए, पॉल स्वर्ग और पृथ्वी के निर्माण से पुरुषों और महिलाओं के निर्माण की ओर बढ़ता है। मानवता एक है क्योंकि सभी ईश्वर के पहले मनुष्य, आदम से उत्पन्न हुए हैं।

परमेश्वर मनुष्यों के लिए, सामान्य रूप से, पृथ्वी को वश में करने और उसकी देखभाल करने की योजना बनाता है। उसके पास प्रत्येक राष्ट्र के लिए विशेष योजनाएँ भी हैं। वह उनके रहने के समय और सीमाएँ निर्धारित करता है।

प्रेरितों के काम 17:26. इस उद्धरण को करने में परमेश्वर के उद्देश्य पर ध्यान दें, ताकि वे परमेश्वर की खोज कर सकें और शायद वे पहुँचकर उसे पा सकें। उद्धरण पद 27 को बंद करें।

परमेश्वर मनुष्य को अपने बारे में जानने का मौका देता है, और वह हम सभी के करीब है। वास्तव में, हम जीवन भर उस पर निर्भर रहते हैं, चाहे हमें इसका एहसास हो या न हो। श्लोक 27 और 28।

परमेश्वर राष्ट्र के समय और स्थानों के अपने दैवी आदेश में खुद को प्रकट करता है ताकि वे उसे खोज सकें और पा सकें। यह सृष्टि, विवेक और दैवी में परमेश्वर के सामान्य प्रकाशन की हमारी व्याख्या और उपचार का समापन करता है। हमारे अगले व्याख्यान में, हम सामान्य प्रकाशन के धर्मशास्त्र का अनुसरण करेंगे और इनमें से कुछ चीजों को एक साथ लाने का प्रयास करेंगे, जिसमें इस तरह के सवालों के जवाब देने की कोशिश करना शामिल है, क्या इस माध्यम से किसी व्यक्ति को बचाया जा सकता है? और यदि नहीं, तो इस सामान्य प्रकाशन का ईसाई मिशनरी उद्यम से क्या संबंध है? वास्तव में महत्वपूर्ण प्रश्न। दैवी, प्रेरितों के काम अध्याय 14, श्लोक 14 से 18, और अध्याय 17, श्लोक 22 से 29।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा प्रकाशितवाक्य और पवित्र शास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 8 है, आंतरिक सामान्य प्रकाशितवाक्य, रोमियों 2.12-16 और सभोपदेशक 3.11। प्रोविडेंस में सामान्य प्रकाशितवाक्य, प्रेरितों के काम 14:14-18 और 17:22-29।